पु•ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-V

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

पाठ-५ जहाँ चाह वहाँ राह

*** कठिन शब्द**

१-टाँका
२-अनुठी
३-मिसाल
४-घुटने टेकना
५-माहिर
६-परिधान
७-प्रदर्शनी
८-तरकारी

*** शब्दार्थ**

१-परिधान-वस्त्र
२-टाँका-हाथ कीसिलाई
३-अनूठी-अदभूत
४-मिसाल-उदाहरण
५-घुटने टकना-झुकना
६-माहिर-निपुण
७-विश्वाश-भरोसा
८-प्रदर्शनी-नुमाइश
९-तरकारी-सब्जियाँ
१०-वस्त्र-कपड़ा

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१-खेल से मनभर जाने पर बच्चे क्या करते थे?
उ-खेल से मनभर जाने पर बच्चे पेड़ की ड़ालियों पर झूला झूलते थे।

२-बच्चों के साथ कभी-कभार इला किस खेल में शामिल हो जाती थी?
उ-बच्चों के साथ कभी-कभार इला पकड़म-पकड़ाई और विष-अमृत के खेल में शामिल हो जाती थी।

३-इला 15-16 वर्ष की होत होते किस कशीदाकारी में दक्ष हो गई थी?
उ-इला 15-16 वर्ष की होत होते काठियावाड़ी कशीदाकारी में दक्ष हो गई थी।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-बच्चों के साथ खेलत समय इला धप्पा क्यों नहीं कर पाती थी?
उ-बच्चों के साथ खेलते समय इला धप्पा नहीं कर पाती थी क्योंकि उसके हाथ हो नहीं उठते थे।

२-इला को स्कूल में आसानी से दाखिला क्यों न मिल सका?
उ-क्योंकि कहीं तो उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता थी, कहीं उसकी काम करन की गति को लेकर।

३-"इला के पाँव अब थकते नहीं थे।"पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
उ-पारंपरिक ड़िजाइनों में इला माहिर हो चुकी थी इस तरह कह सकते है कि इला के पाँव अब थकते नहीं थे।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-इला अपने मित्रों के साथ खेलकूद में पूर्णतः शामिल होने में स्वयं को किस प्रकार विवश पाती थी?
उ-इला अपने मित्रों के साथ गाना गाने में साथ तो दे पाती थी, परंतु जब धप्पा करने की बारी आती तो हाथ न होने के कारण वो धप्पा न कर पाती थी। इसप्रकार इला अपने मित्रों के साथ खेलकूद में पूर्णतःशामिल होने में स्वयं को विवश पाती थी।

२-दसवीं की परीक्षा देने में इला को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ा? अतः परिणाम क्या निकला?

उ-दसवीं की परीक्षा जब देने की बारी आयी तब इला के हाथ न होने के कारण वो परीक्षा में लिख न पाई। इला को ये न पता था कि उसकी जगह कोई और परीक्षा में लिख सकता था। इस तरह हाथ न होने के कारण इला दसवीं की परीक्षा पास न कर पाई।

(व्याकरण-विभाग)

*** कारक-** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं।

*** कारक के उदाहरण-**
१-कर्ताकारक = ने
२-कर्मकारक= को
३-करण कारक= से, के द्वारा
४-संप्रदान कारक= को, के लिए
५-अपादानकारक= से
६-अधिकरण कारक= में, पर
७-संबंध कारक= का, की, के
८-संबोधन कारक= हे, अरे

*** कारक के भेद पहचानकर उनके नाम लिखिए।**

१-राधा नृत्य करती है।	उ-कर्ताकारक
२-शिक्षक बच्चों को पढ़ातेहैं।	उ-कर्मकारक
३-मोहन सोहन से छोटा है।	उ-अपादानकारक
४-श्यामा की गाय काली है।	उ-संबंध कारक
५-गरीब को दान दो।	उ-अधिकरण कारक
६-छात्र कलम से लिखता है।	उ-करण कारक

(लेखन-विभाग)
अनुच्छेद

*** स्वतंत्रता दिवस-**

प्रतिवर्ष **15** अगस्त के दिन को भारतवासी स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाते हैं। भारतको **15** अगस्त, **1947** के दिन वह सुनहरी आजादी प्राप्त हुई थी जिसका लोगों को वर्षों से इंतजार था। इस दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरूने लालकिले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। लोग गुलामी की जंजीरें तोड़कर बहुत प्रसन्न हुए थे। तब से भारत बहुत उन्नति कर चुका है। भारत के लोग आज भी अपना स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह से मनाते हैं। प्रधानमंत्री लालकिले पर झंडा फहराकर राष्ट्र को संबोधित करते हैं। वे राष्ट्रको एक जुट रहने तथा अपनी स्वतंत्रता को बरकरार रखने की प्रेरणा देते हैं। देश के विभिन्न भागों में इसदिन चहल-पहल होती है। लोग तिरंगा झंडा फहराकर एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हैं। यह दिवस हमें अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों तथा

शहीदों का स्मरण करा जाता है। स्वतंत्रता दिवस के कई दिन पूर्व से ही देश में इसे मनाने हेतु तैयारियाँ प्रारंभ हो जाती हैं। देश की राजधानी दिल्ली में तो उसका आयोजन विशेष रूप से होता है। इसदिन प्रतिवर्ष देश के प्रधानमंत्री लालकिले पर ध्वजारोहण करते हैं तथा राष्ट्रगान गाया जाता है। इस समारोहमें अनेक नेता, राजनयिक तथा देश-विदेशके अन्य गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित होते हैं| भारतवासी उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प प्रकट करते हैं। स्वतंत्रता दिवस भारत के लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर देश के नवनिर्माण की प्रेरणा देता है।

*** स्वाध्याय-कारक के भेद पहचानकर उनके नाम लिखिए।**

१-राधा नृत्य करती है।　　२-शिक्षक बच्चों को पढ़ाते हैं।
३-मोहन सोहन से छोटा है।　　४-श्यामा की गाय काली है।
५-गरीब को दान दो।

*** गतिविधि-आप बड़े होकर जो बनना चाहते है उसका चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**

पाठ-६ चिटठी का सफ़र

* कठिन शब्द

१-भौगोलिक
२-परिवहन
३-संस्थान
४-संचार
५-दुर्गम
६-प्रवासी
७-ज़ाहिर
८-सीमित
९-प्रशिक्षित
१०-उपलब्ध

* शब्दार्थ

१ निर्भर-आश्रित, टिका हुआ
२ भौगोलिक-भूमि से संबंधित
३ ज़ाहिर-साफ़ करना, बताना
४ सीमित-कम
५ प्रवासी-दूसरे देश के लोग
६ संकट-मुसीबत
७ संस्थान-काम का स्थल
८ प्रशिक्षित-जानकार
९ परिवहन-यातायात
१० दुर्गम-कठिन

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१-पिनकोड़ किसे कहते हैं?

उ-पिनकोड़ एक पोस्टल नम्बर होता है जो ६ अंको का होता है।

२-हूमर कबूतर को किस काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है?

उ-हूमर कबूतर को दुर्गम इलाकों में संदेश पहुँचाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१-पत्र का अपने सही पते और समय पर पहुँचना किन बातों पर निर्भर करता है?

उ-पत्र का अपने सही पते और समय पर पहुँचना उसके पिनकोड़ और ड़ाक-टिकट पर निर्भर करता हैं।

२-हरकारों का काम जोखिम से भरा होता है, कैसे?

उ-हरकारों को चिटठी की सुरक्षा करनी पड़ती थी। जंगल के रास्ते में जाते हुए जंगली जानवरों का डर और डाकू-लुटेरों का ड़र बना रहता था।

* दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

१ नाम न होने पर क्या समस्या आती है?

उ-नाम न होने पर यह पता करना कठिन होता है कि पत्र किसका है। एक ही नाम के कई लोग होते हैं।

२ हूमर कबूतर अपनी किन विशेषताओं के कारण प्रसिद्ध है?

उ- हूमर कबूतर जिसे प्रशिक्षित करके ड़ाक-संदेश भेजने के काम में लाया जाता है।उड़ीसा पुलिस खास तौर पर हूमर कबूतरों का इस्तेमाल राज्य के कई दुर्गम इलाकों में संदेश पहुँचाने के लिए कर रही है।

(व्याकरण-विभाग)

*** सर्वनाम-** संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त शब्दों को सर्वनाम कहते है।

*** सर्वनाम के छः भेद होते हैं।**

१-पुरुषवाचक सर्वनाम
२-निजवाचक सर्वनाम
३-निश्चयवाचक सर्वनाम
४-अनिश्चयवाचक सर्वनाम
५-संबंधवाचक सर्वनाम
६-प्रश्नवाचक सर्वनाम

१- पुरुषवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।जैसे - मैं, तुम, हम, आप, वे।

२-निजवाचक सर्वनाम- जो सर्वनाम शब्द करता के स्वयं के लिए प्रयुक्त होते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे :स्वयं, आपही, खुद, अपनेआप।

उदाहरण:

उसने अपने आपको बर्बाद कर लिया

मैं खुद फोन कर लूँगा।

तुम स्वयं यह कार्य करो।

३-निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे : यह, वह, ये, वे।

उदाहरण :

यह मेरी घडी है।

वह एक लड़का है।

वे इधर ही आ रहे हैं।

(लेखन-विभाग)

निबंध

*** रक्षाबंधन-**

- भारत त्योहारों का देश है । यहाँ विभिन्न प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं । हर त्योहार अपना विशेष महत्त्व रखता है । रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक त्योहार है । यह भारत की गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक त्योहार भी है । यह दान के महत्त्व को प्रतिष्ठित करने वाला पावन त्योहार है । इस अवसर पर विवाहित बहिनें ससुराल से मायके जाती हैं और भाइयों की कलाई पर राखी बाँधने का आयोजन करती हैं । वे भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं तथा राखी बाँधकर उनका मुँह मीठा कराती हैं ।भाई प्रसन्न होकर बहन को कुछ उपहार देता है ।प्परिवार में खुशी का दृश्य होता है ।

- रक्षाबंधन के अवसर पर बाजार में विशेष चहल-पहल होती है । रंग-बिरंगी राखियों से दुकानों की रौनक बढ़ जाती है । लोग तरह-तरह की राखी खरीदते हैं । हलवाई की दुकान पर बहुत भीड़ होती है । लोग उपहार देने तथा

घर में प्रयोग के लिए मिठाइयों के पैकेट खरीदकर ले जाते हैं ।श्रावण पूर्णिमा के दिन मंदिरों में विशेष पूजा- अर्चना की जाती है । लोग गंगाजल लेकर मीलों चलते हुए शिवजी को जल चढ़ाने आते हैं ।

- घर में पूजा-पाठ और हवन के कार्यक्रम होते हैं । रक्षाबंधन के दिन दान का विशेष महत्त्व माना गया है । बालक-बालिकाएँ नए वस्त्र पहने घर-आँगन में खेल-कूद करते हैं । बहन भाई की कलाई में राखी बाँधकर उससे अपनी रक्षा का वचन लेती है । भाई इस वचन का पालन करता है । इस तरह पारिवारिक संबंधों में प्रगाढ़ता आती है । लोग पिछली कडुवाहटों को भूलकर आपसी प्रेम को महत्त्व देने लगते हैं ।इस तरह रक्षाबंधन का त्योहार समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ाने का कार्य करता है । संसार भर में यह अनूठा पर्व है । इसमें हमें देश की प्राचीन संस्कृति की झलक देखने को मिलती है ।

-ये कहना अतिश्योक्ति न होगी कि,रक्षा की कामना लिये भाई–चारे और सदभावना का ये धार्मिक पर्व सामाजिक रंग के धागे से बंधा हुआ है। जहाँ लोग जातिय और धार्मिक बंधन भूलकर एक रक्षासूत्र में बंध जाते हैं।

राखी का त्यौहार है,
हर तरफ खुशियों की बौंछार है,
बंधा एक धागे में भाई बहन का अटूट प्यार है!

*** स्वाध्याय-सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।**

१-तुम्हारे घर का रास्ता सीधा नहीं है।
२-यह किसकी कलम है?
३-तुम स्वतः आ जाना।
४-हमारी गाय तो दोनों स्मय दूध देती है।
५-कौआ बोल रहा है,घर में कोई आएगा।

*** गतिविधि-ड़ाक-टिकट एकत्र करके लगाओ।**

पाठ-७ डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की ज़ुबानी

-प्रतिमा शर्मा

* कठिन शब्द

१ पैकर
२ इम्तिहान
३ भयंकर
४ प्रशस्ति
५ रजिस्ट्रि

* शब्दार्थ

१ घटना-किस्सा, माज़रा
२ पैकर-पैकिंग करनेवाला
३ गुनगुनी-हल्की
४ पुरस्कार-इनाम
५ इम्तिहान-परीक्षा
७ भयंकर-बहुत तेज़
८ प्रशस्ति पत्र-तारीफ़, बड़ाई का पत्र

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१ डाक सेवक किन-किन चीज़ो को पहुँचाने का कार्य करता है?

उ-डाक सेवक पत्र, पार्सल, रजिस्ट्रि-पत्र, बिल, पेंशन आदि गाँव-गाँव पहुँचाने का काम करता हैं।

२ पकर से डाकिया कैसे बना जाता है?

उ-एक इम्तिहान पास करने के बाद पैकर से डाकिया बना जाता हैं।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१ कँवरसिंह और उनके परिवार के सदस्यों के बारे में बताइए।

उ-कँवरसिंह ने बताया कि उनके चार बच्चे हैं, तीन बेटी, एक बेटा। दो बेटियाँ बारहवीं पास हैं और एक बेटी और बेटा दसवीं तक पढ़े हैं।एक और बेटा था जिसकी मौत पहाड़ी से फ़िसल कर हो गई थीं।

२ कँवरसिंह ने अब तक किन-किन जगहों पर डाक सेवाएँ दी हैं?

उ-कँवरसिँह ने किब्बर गाँव और किन्नौर ज़िले में नौकरी की हैं।

३ स्नोबाईट किसे कहते हैं?

उ-स्नोबाईट पहाड़ी इलाको में ज्यादा ठंड पड़ने पर या बर्फ में चलने पर पैर नीले हो - जाते हैं, उनमें गैंगरिन हो जाता है और पैरों की उँगलियाँ झड़ जाती हैं। इसे स्नोबाइट कहते हैं।

* दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

१ भारतीय डाक सेवा अन्य देशों की डाक सेवा से किस प्रकार अच्छी है?

उ-हमारे देश की डाक सेवा आज भी दुनिया की सबसे बड़ी डाक सेवा है और सबसे सस्ती भी।केवल पाँच रुपए में देश के किसी भी कोने में हम चिटिठी भेज सकते हैं।

२ "ग्रामीण डाकिये की ज़िंदगी में तो चलना ही चलना है।"यह बात किसने किस संदर्भ में कही है?

उ–हिमाचल में एक गाँव से दूसरे गाँव की दूरी लगभग चार या पाँच किलोमीटर तक होती है। इन्हें डाक पहुँचाने के लिए लगभग 26 किलोमीटर रोज़ाना एक गाँव से दूसरे गाँव चलकर जाना पड़ता था। इसलिए कहा गया है कि, "ग्रामीण डाकिये की जिंदगी में तो चलना ही चलना हैं।

३ उस घटना का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए, जिसके कारण कँवरसिंह की एक आँख बेकार हो गई।

उ–कँवरसिंह ने अपनी जान पर खेलकर डाकघर की चीजों को बचाया। इसमें उनके सिर पर भी कई टाँके लगे। उनकी एक आँख भी खराब हो गई।डाकघर की चीजें बचाने के लिए सरकार ने उन्हें "बैस्ट पोस्टमैन" की उपाधि दी।

(व्याकरण–विभाग)

१–अनिश्चयवाचक सर्वनाम -

जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण :

लस्सी में कुछ पड़ा है।

भिखारी को कुछ दे दो|

२–सम्बन्धवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध ज्ञात होता है|

उदाहरण :

जहाँ चाह वहाँ राह।

जैसा बोओगे वैसा काटोगे|

३–प्रश्नवाचक सर्वनाम -जिन सर्वनाम से वाक्य में प्रश्न का बोध होता है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण :

रमेश क्या खा रहा है ?

कमरे मैं कौन बैठा है ?

(लेखन–विभाग)

पत्र–लेखन

अपने क्षेत्र में डाक-व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अपने क्षेत्र के डाकपाल को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

141, साकेतनिवासी संघ,
मेरठ।
दिनांक16 मई, 2020
सेवामें,
डाकपाल महोदय,

मुख्यडाकघर,
मेरठकैन्ट,
मेरठ।
विषय-इलाके में डाक व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु।
महोदय,
मैं आपका ध्यान साकेतनिवासी संघ, मेरठ की ओर केन्द्रित कराना चाहता हूँ, हमारे क्षेत्र का डाकिया अपने कार्य के प्रति अत्यन्त लापरवाही दिखा रहा है। वह हमारे पत्र घर के बाहर फ़ेंककर चला जाता है, या फिर छोटे बच्चों को पकड़ा देता है। इस से पत्रों के खोने का डर हमेशा बना रहता है। अधिकांश घरों के द्वार पर 'पत्र-पेटिका' लगी हुई है, परन्तु वह उनमें पत्र नहीं डालता। हमने डाकिये से कई बार हाथ जोड़कर निवेदन भी किया है कि वह पत्रों को सही जगह पर डाले, पर जैसे वह हमारी बात एक कान से सुनकर दूसरे से निकालदेता है।
अतःआप से विनम्र प्रार्थना है कि आप उसे चेतावनी देते हुए कार्य के प्रति पूरी ईमानदारी बरतने को कहें।
आपकी इस कृपा के लिए हम सदैव आभारी रहेंगे।
भवदीय
हस्ताक्षर.....
सचिव
किशोर
साकेतनिवासी संघ

*** स्वाध्याय-सर्वनाम के भेद लिखिए।**

१-इतनी बारिश में कौन आएगा?
२-जो यह काम करेगा,वह बोले।
३-ये कितने सुंदर फूल है।
४-उसे खुद चलकर आने दो।
५-तुमलोग वहाँ बैठ जाओ।

*** गतिविधि-ड़ाकिया का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**

पु•ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-V

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

पाठ-8 वे दिन भी क्या दिन थे

-आइज़क असीमोव

*** कठिन शब्द**

१ पृष्ठ
२ पश्चात
३ आरंभ
४ उबाऊ
५ रफ़्तार
६ साम्रगी
७ नियमित
८ उत्सुकता

*** शब्दार्थ**

१ पृष्ठ-पन्ना
२ उबाऊ-मन भर जाना
३ रफ़्तार-गति, तेजी
४ आरंभ-शुरुआत
५ भिन्न-अलग
६ पश्चात-बाद
७ सिलसिला-क्रम

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१-कागज़ी पुस्तक में किस बारे में लिखा था?

उ-कागज़ी पुस्तक में कहानियों के बारे में लिखा था।

२-कुम्मी रोज़ किसके सामने बैठकर पढ़ती है?

उ-कुम्मी रोज़ मशीन रुपी टेलिविजन के सामने बैठकर पढ़ती हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-कुम्मी ने अपनी डायरी में किस घटना का उल्लेख किया था?

उ-कुम्मीने रोहित को एक सचमुच की पुस्तक मिली थी इस बात का उल्लेख किया था।

२-रोहित टेलीविज़न पे दिखाई जाने वाली पुस्तक और कागज़ी पुस्तक में से किसे और किस प्रकार श्रेष्ठ साबित करता है?

उ-रोहितने टेलिविज़न की पढ़ाई को श्रेष्ठ बताया क्योंकि उसमें नई-नई अनेको पुस्तकें आती है।कागज़ी पुस्तक में तो कागज़ की बरबादी हैं। एक बार पढ़ी फ़िर पुस्तक बेकार।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-कुम्मी को स्कूल का काम उबाऊ क्यों लगता हैं?

उ-कुम्मी का स्कूल एक मशीन था जिसके सामने बैठकर मशीन बताती है कि क्या पढ़ना हैं।काम करके उस मशीन में डाल देना होता है फिर गलतियों का सुधार कर मशीन कुम्मी को समझाती।ये सब कुम्मी को उबाऊ लगता था।

२-पुराने ज़माने का स्कूल, कुम्मी-रोहित के स्कूल से किस प्रकार भिन्न था?

उ-पुराने ज़माने के स्कूल एक इमारत में, एक समूह में बच्चे बैठाए जाते थे और अध्यापक पढ़ाते थे।कुम्मी के स्कूल में घर पर टेलिविज़न पर्दे पर पाठ चलता हैं।

(व्याकरण-विभाग)

* **विशेषण-** जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता गुण, संख्या, मात्रा या परिणाम आदि बताए उसे विशेषण कहते हैं।

* **विशेषण के भेद**-गुण, संख्या और परिमाण के आधार पर विशेषण के चार भेद बताए गए हैं।

१-सार्वनामिक विशेषण
२-गुणवाचकविशेषण
३-संख्यावाचकविशेषण
४-परिमाणवाचक विशेषण

१- सार्वनामिक विशेषण- जो सर्वनाम शब्द संज्ञा के पहले आकर विशेषण का काम करता है, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते है।

जैसे- उस लड़की को पुरस्कार मिला।
वह घर नीलम का है।

२-गुणवाचक विशेषण- जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम के गुण या दोष का बोध हो उसे गुणवाचक विशेषण कहते है।

जैसे- राधा सातवीं कक्षा में पढ़ती है।
मोहन का दूसरा भाई डॉक्टर है।

३-संख्यावाचक विशेषण- जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम के गुण का बोध न होकर उसकी संख्या का बोध होता है उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

दूसरी लड़की को पुरस्कार मिला था।
कुछ छात्रों ने गृहकार्य नहीं किया।
आज दफ्तर में काम कम है।

४-परिणामवाचक विशेषण- जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु के परिमाण, मात्रा, माप या तोल का बोध हो परिणामवाचक विशेषण कहलाते है।इस के दो भेद होते है।

जैसे- दाल में थोड़ा घी और डालो।
दो मीटर कपड़ा लाना।

(लेखन-विभाग)
सूचना-लेखन

* विद्यालय की और से "चिड़ियाघर की सैर"की योजना हेतु सूचना लेखन लिखिए।

पुना इन्टरनेशनल स्कूल, झुंड़ाल
सूचना

दिनांक-15-8-2020
प्रिय छात्रों।
18 अगस्त, 2020 को विद्यालय की और से "चिड़ियाघर"जाने का आयोजन किया जाा रहा हैं। विद्यालय की ओर से कक्षा-३ से ९ तक के बच्चें इस आयोजन में शामिल हो सकते है।चिड़ियाघर आने वाले इच्छुक विदयार्थी 16 अगस्त, 2020 तक अपना नाम अपनी कक्षा अध्यापिका को लिखवा दे।
अमित शर्मा
सचिव, स्कूल विभाग

* स्वाध्याय-रेखांकित शब्दों के विशेषण भेद लिखिए।

१-हिंदुस्तान एक दैनिक अखबार है।
२-यह किताब सस्ती है।
३-कई खिड़कियों में शशि नहीं है।
४-रतन पाँचवी कक्षा में पढ़ता है।
५-दुकानदार के पास बारह मन गेहुँ है।

* गतिविधि-संदेश-वाहक साधनों के चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

कविता-१ एक माँ की बेबसी

-कुँवर नारायण

* कठिन शब्द

१ बरसों
२ कामयाब
३ अदृश्य
४ अज़ूबा
५ भयभीत

* शब्दार्थ

१ बरसो-पुराना
२ कामयाब-जीतना
३ अदृश्य-जो दिखाई न दे
४ भिन्न-लग
५ भयभीत-डरा हुआ
६ बेबसी-लाचार

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१ कविता में रतन की तुलना किससे की गई हैं?

उ-कविता में रतन की तुलना टूटे खिलौने से की गई हैं।

२ रतन सभी बच्चों को अज़ूबा क्यों लगता था?

उ-क्योंकि वह सामान्य बच्चों की तरह बोल नहीं पाता था।

३ कविता के लिए दूसरा उपयुक्त शीर्षक बताइए।

उ-"टूटा हुआ अनमोल खिलौना"

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१ रतन अन्य बच्चों से किस प्रकार भिन्न था?

उ-रतन अन्य बच्चों से भिन्न था क्योंकि वह अन्य बच्चों की तरह बोल नहीं सकता था।

२ बच्चे रतन के साथ खेलते हुए क्यों घबराते थे?

उ-क्योंकि बच्चे उसकी भाषा,घबराहटों,इशारों को समझ नहीं पाते थे।

(व्याकरण-विभाग)

*** क्रिया- जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना व्यक्त हो उसे क्रिया कहते हैं। जैसे- रोया, खा रहा, जायेगा आदि।**

*** क्रिया के दो भेद है-**

१- **सकर्मक क्रिया** :

जो क्रिया कर्म के साथ आती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं!

उदाहरण - राम रोटी खाता है! (खाना क्रिया के साथ कर्म रोटी है)

२- **अकर्मक क्रिया** :

अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता है!

उदाहरण – राम गाता है! (कर्म का अभाव है तथा गाता है क्रिया का फल राम पर पड़ता है)

(लेखन-विभाग)
अनुच्छेद

*** वृक्षारोपण-**

*आदिकाल से वन मनुष्य की जरूरतओं की पूर्ति करते आ रहे हैं। हमारे जीवन में वृक्षों का महत्वपूर्ण स्थान पेड़ पौधे मनुष्य को अनाज, जड़ी बूटी, फल फूल और ईंधन उपलब्ध कराते हैं। मकान बनाने के लिए लकड़ी देते हैं। सबसे बड़ी बात पेड़ प्राणियों को शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, प्रदूषण को रोकते हैं, पानी के बहाव एवं मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण के संतुलन को बनाने में सहायक होते हैं। आज से सौ वर्ष पूर्व भारत के पास अपार वन सम्पदा थी। किन्तु औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण गाँव, शहरों में बदलते जा रहे हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। शहर इमारतों व फैक्ट्रियों के विस्तार द्वारा सीमेंट के जंगल बनते जा रहे हैं। वृक्षों की कटाई एवं वनों के विनाश के कारण भूमि क्षरण, मौसम में भारी परिवर्तन उठाये हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वन महोत्सव कार्यक्रम चलाया गया था। आज भी हरे भरे पेड़ों को काटना कानूनन अपराध है। सरकार ने कई राज्यों में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य स्थापित किये हैं। वर संरक्षण के लिये बहुत अधिक प्रयास किये जा रहे हैं। विद्यालयों में भी इसको प्रोत्साहित करने के लिए बच्चों से वृक्ष लगवाये जाते हैं।' हर जन्मदिन पर एक वृक्ष लगायें, भारत को हरा भरा बनायें'| वृक्ष हमारे संरक्षक हैं इसलिए हमें उनकी संख्या में वृद्धि करनी चाहिये, परन्तु केवल नारे लगाने से कुछ नहीं होगा और उनको कटने से बचाना चाहिये।

*** स्वाध्याय-क्रिया को पहचानकर लिखिए।**

१-बच्चा सो रहा था।
२-गुड़िया घरौदा बना रही है।
३-चिड़ियाँ उड़ चली।
४-छात्र लौट आए।
५-उमेश तबला बजा रहा है।

*** गतिविधि-कविता में दिया गया माँ और बेटे का चित्र बनाइए अथवा चिपकाओ।**